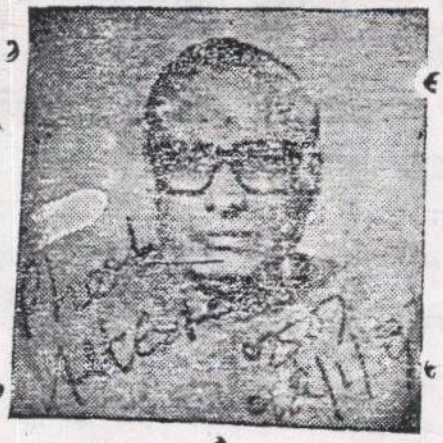

नित्यानन्द स्वामी, श्री
एम0 ए0, एल-एल0 बी0,
कांग्रेस आई,
गढ़वाल कुमायूं स्नातक
निर्वाचन क्षेत्र

पिता का नाम–स्व0 श्री विहारी लाल स्वामी ।

जन्म-तिथि–27 दिसम्बर, 1926 नारनौल (हरियाणा) ।

विवाह–11 जून, 1949 ।

पत्नी–श्रीमती चन्द्रकान्ता स्वामी ।

सन्तान–चार पुत्रियां ।

सामाजिक एवं राजनैतिक गतिविधियां–आपके पिता श्री विहारी लाल जी की शिक्षा ग्रेजुएट तक थी । देहरादून क्लब के सभी सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी रहे । केन्द्र सरकार की सेवा में रहते हुये भी आपके पिता जी ने महात्मा गांधी के प्रत्येक अनशन के अवसर पर एक दिन का अनशन रखते थे । स्वतंत्रता के लिये किये गये कार्यों एवं गतिविधियों में परोक्ष रूप से भाग लेते थे। आपकी मां स्व0 श्रीमती महादेवी स्वामी जो कक्षा नौ तक ही शिक्षित थी, अपने पति के सभी राजनैतिक एवं सामाजिक कार्यकलापों में जहां तक सम्भव हो सकता था, सहयोग करती थी ।

आपकी प्रारम्भिक शिक्षा न्यू फारेस्ट स्कूल, देहरादून में हुई (1933 से 1938)। आप श्री सुभाष चन्द्र बोस एवं महात्मा गांधी की देहरादून यात्रा से प्रभावित रहे। प्रारम्भ से छात्र नेता रहे। डी0 ए0 वी0 कालेज, देहरादून से वर्ष 1939 से 1947 के बीच माध्यमिक

शिक्षा ग्रहण की । खेलकूद में विशेष रुचि हुई और स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रति आस्था जगी । न्यू फारेस्ट कालोनी के मित्रों के साथ मिल कर स्वतंत्रता संग्राम के कार्यकलापों में सहयोग करते रहे । इस दौरान आप शिक्षक श्री मथुरा प्रसाद जी, श्री सालिगराम जी, श्री एल0 एन0 गुप्ता एवं श्री एस0 सी0 भट्टाचार्या जी से काफी प्रभावित रहे। 1942 में गांधी जी द्वारा किये गये अनशन एवं "भारत छोड़ो" आन्दोलन की घटनाओं से आप काफी प्रभावित हुये । इसी अवधि में पं0 मदन मोहन मालवीय, पं0 जवाहर लाल नेहरू तथा सुभाष चन्द्र बोस से काफी प्रभावित रहे । 1942 से 1945 तक राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई । 1942 में छात्रों के साथ गंट पर पिकेटिंग करते हुए पुलिस हिरासत में लिये गये । 1948 से 1953 के बीच आपने उच्च शिक्षा ग्रहण की तथा शिक्षक, प्रो0 गया प्रसाद शुक्ला, प्रो0 जगमोहन स्वरूप, प्रो0 एम0 सी0 भरतरी एवं प्रो0 सुदर्शन जी से प्रभावित हुए। इसी अवधि में बाबू राजेन्द्र प्रसाद व बाबू जय प्रकाश नारायण, महात्मा गांधी व नेहरू जैसे राजनीतिज्ञों की विचारधाराओं से प्रभावित रहे । 1952 से आपकी राजनैतिक गतिविधियां आरम्भ हो गयी । छात्र संघ के 1950 व 51 में अध्यक्ष तथा 51-52 में कालेज के सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ था । शिक्षा के बाद 1950-52 तक न्यू फारेस्ट स्कूल में अध्यापन कार्य किया तथा डी0 ए0 वी0 कालेज में 52 से 53 तक अध्यापन कार्य किया । इसके बाद वकालत आरम्भ कर दी । नगरपालिका परिषद्, देहरादून में अध्यक्ष के पद पर वर्षों से कार्यरत हैं । नागरिक कल्याण समिति (रजि0) देहरादून के संस्थापक सचिव तथा लगभग 20 श्रम यूनियनों के संस्थापक हैं । देहरादून की अनेकों शैक्षणिक, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध हैं। उ0 प्र0 भारतीय मजदूर यूनियन के कई वर्षों तक अध्यक्ष रहे । 1942 में स्वतंत्रता आन्दोलन में गिरफ्तारी दी । 1952 से 1974 तक भारतीय जनसंघ में प्रदेशीय एवं राष्ट्रीय स्तर के पदों पर काम किया । विधान सभा में 1969 से 1972 तक भारतीय जनसंघ

दल के मुख्य सचेतक के रूप में काम किया। स्वतंत्रता के बाद अब तक जन समस्याओं को लेकर 18 बार राजनैतिक आन्दोलन में जेल यात्रायें कीं। आपातकाल में लगभग 1 वर्ष जेल में रहे। 1977 से 1980 तक जनता पार्टी में तथा उसके बाद लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी में चले गये तथा उसके बाद 19 दिसम्बर, 1984 को कांग्रेस आई में शामिल हो गये। छात्र जीवन में शिक्षाप्रद नाटकों का मंचन करते रहे। विधान परिषद् में अधिष्ठाता मण्डल के सदस्य रह चुके हैं। 6 मई, 1984 को विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुए। 10 मई 1990 को पुनः विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुये। वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के उपसभापति पद को सुशोभित कर रहे हैं।

रुचि–अध्ययन, स्पोर्ट्स।

मनोरंजन–खेल (लगभग सभी खेल)।

व्यवसाय–31 वर्षों से एडवोकेट।

प्रकाशन–विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में लेखों का प्रकाशन

स्थायी पता–5, पार्क रोड, देहरादून.

———